



केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

विषय Subject:

सामाजिक विज्ञान

विषय कोड Subject Code:

300

परीक्षा का दिनांक / Date of Exam

260224

उत्तर देने का माध्यम

Medium of answering the paper:

हिन्दी

प्रश्न पत्र का सेट

Set of the Question paper: A

गोले भरने हेतु उदाहरण :-

सही तरीका :-

● ○ ○ ○

गुलत तरीका :-

⊗ ⊙ ○ ● ○ ○

नोट :-

इस शीट को भरने के पूर्व पृष्ठ भाग में दिए गए उदाहरण देखें।



IS NO.

6529334

SUB

300 SOCIAL SCIENCE

Med

HINDI part 4

Reg

73001419

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टि करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)	प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13					
14					
15					
16					

पराक्षक एवं उपमुख्य पराक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टि एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

KIRAN YADAV

V. No. -74826

G.H.S. Gwara

परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

Ram Pyari Uikay

V.No. -74937

Govt. H.S. Girls Babaliya

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 1

उत्तर →

- (i) दूसरा
- (ii) जर्मनी में
- (iii) 1928 में
- (iv) मार्टिन लूथर
- (v) स्त्री और पुरुष के बीच जैविक अंतर
- (vi) सहाकारी समितियाँ

B

E

प्रश्न - 2

उत्तर →

- (i) सन् 1968
- (ii) केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड
- (iii) मैट्रिक्स
- (iv) जातिवाद
- (v) समानता
- (vi) नवीकरणीय

$45 + 25 = 70$



प्रश्न क्र.

प्रश्न - 3

उत्तर ->

- (i) असत्य
- (ii) सत्य
- (iii) सत्य
- (iv) सत्य
- (v) सत्य
- (vi) सत्य

B  
S  
E

प्रश्न - 4

- |                          |                                |
|--------------------------|--------------------------------|
| (a) संयुक्त वन प्रबंधन   | ओडिशा                          |
| (b) इलेक्ट्रॉनिक राजधानी | बेंगलुरु                       |
| (c) लेबर पार्टी          | ब्रिटेन                        |
| (d) रिपब्लिकन पार्टी     | संयुक्त राष्ट्र अमेरिका        |
| प्राथमिक क्षेत्रक        | कृषि, खनन, डेयरी, मत्स्य       |
| तृतीयक क्षेत्रक          | परिवहन, भंडारण, संचार, बैंकिंग |



प्रश्न क्र.

प्रश्न - 5

- उत्तर →
- (i) वे उद्योग जो उपभोक्ताओं को सीधे वस्तुएँ उपलब्ध कराते हैं, उपभोक्ता उद्योग कहलाते हैं।
- (ii) भाई भौंसले एक उद्योगपति तथा व्यापारी थे।
- (iii) असम का लोकप्रिय गीत ओ मोर अपुवर देश बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने लिखा।
- (iv) बेल्जियम में सामुदायिक सरकार का चुनाव भाषा के आधार पर समुदाय समूहों द्वारा होता है।
- (v) मानव विकास सूचकांक संयुक्त राष्ट्र विकास प्रणाली (UNDP) संस्था जारी करती है।
- (vi) विश्व व्यापार संगठन का द्येय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को उदार बनाना और मुक्त व्यापार की सुविधा देना।



प्रश्न क्र.

प्रश्न - 6

उत्तर → जब भूमि कृषि करने योग्य नहीं रह जाती है तो, ऐसी स्थिति को भूमि निम्नीकरण कहते हैं। भूमि निम्नीकरण वृक्षों की कटाई, अत्यधिक पशु चारण, भारी वर्षा आदि कारणों से होती है। इन कारणों से भूमि की ऊपरी सतह कृषि करने योग्य नहीं रह पाती।

B  
S  
E

प्रश्न - 7

उत्तर → रोपण कृषि की दो विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:-

- (i) इस प्रकार की कृषि भूमि के लंबे-चौड़े क्षेत्र में की जाती है।
- (ii) यह कृषि अधिक उत्पादन बढ़ाने के लिए आधुनिक औजारों, रासायनिक उर्वरकों आदि की सहायता से की जाती है।

प्रश्न क्र.

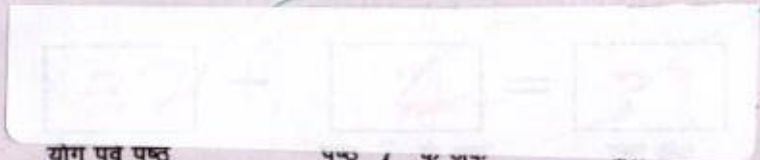
### प्रश्न - 8 (अथवा)

उत्तर → सहकारी उद्योग <sup>की पूर्ति</sup> उत्पादन करने वाले उत्पादको, श्रमिकों या दोनों की सहायता से चलाए जाते हैं। इन उद्योगों में लाभ - हानि का विभाजन आनुपातिक होता है। जैसे - मुंबई में सूती उद्योग।

B  
S  
E

### प्रश्न - 9

उत्तर → उत्तर पूर्वी राज्यों में वायु परिवहन अधिक महत्वपूर्ण इसलिए है क्योंकि वहाँ अधिकतर प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति बनी रहती है जैसे - बाढ़, भूकंप, महामारी आदि। चूंकि वायु परिवहन बहुत अधिक उपयोगी है। जब किसी क्षेत्र में बाढ़ आ जाती है तो वायु परिवहन के द्वारा लोगों को बचाया जाता है तथा सुखाने सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया जाता है। वायु परिवहन से लोगों को खाना, दवाईयों कपड़े आदि जरूरत मंद चीजें पहुँचाई जाती हैं। इसी स्थितियों में केवल वायु परिवहन ही काम आता है, अन्य परिवहन नहीं।



प्रश्न क्र.

प्रश्न-10 (अथवा)

उत्तर →

औपनिवेशिक शासन काल के दौरान मजदूरों को बागानों में काम करने के लिए फिजी, गुयाना, वेस्टइंडीज आदि स्थानों से ले जाया जाता था। इन मजदूरों को एक एग्रीमेंट के तहत ले जाया जाता था। मजदूर इस एग्रीमेंट को गिरमिट कहते थे। आगे चलकर इन मजदूरों को गिरमिटिया मजदूर कहा जाने लगा।

B  
S  
E

प्रश्न-11 (अथवा)

उत्तर →

प्रथम विश्व युद्ध को औद्योगिक युद्ध इसलिए कहते हैं क्योंकि इस युद्ध के लिए आवश्यक वस्तुओं की पूर्ति करने हेतु भारी मात्रा में उद्योगों की स्थापना की गई। मजदूरों को दिन-रात इन उद्योगों में गोला, बम, बारूद, बंदूकें आदि हथियार बनाने के लिए लगा दिया गया था। इस युद्ध के कारण औद्योगिक बढ़ गया था किन्तु सिर्फ हथियारों का उत्पादन बढ़ा था बाकि अन्य वस्तुओं का उत्पादन घट गया था।



प्रश्न क्र.

प्रश्न - 12 (अथवा)

उत्तर → गुमास्ता के दो कार्य निम्नलिखित हैं :-

(i) गुमास्ता ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा नियुक्त किए गए वेतनभोगी कर्मचारी थे जो बुनकरों पर निगरानी रखते थे।

(ii) माल इकट्ठा करना और कपड़ों की गुणवत्ता की जाँच करना गुमास्ता का ही कार्य था।

प्रश्न - 13 (अथवा)

उत्तर → राष्ट्रवादी समाचार पत्रों के दमन में वनकियूबर प्रेस एक्ट की बहुत बड़ी भूमिका थी। आइरिश कानून के तर्ज पर वनकियूबर प्रेस एक्ट बनाया गया था जो सरकार को भाषाई प्रेस में छपी रिपोर्ट और संपादकीय को सेंसर करने के लिए उपयोग किया जाता था। अब इस एक्ट के बाद सरकार विभिन्न प्रदेशों में अपने वाले भाषाई समाचार पत्रों पर निगरानी रखने लगी थी। इस एक्ट का मुख्य उद्देश्य उन प्रेसों पर प्रतिबंध लगाना जो ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध जनता में असंतोष की भावना पैदा करते हैं।



प्रश्न क्र.

प्रश्न - 14 (अथवा)

उत्तर → शपथ पत्र एक ऐसा दस्तावेज है जिसमें किसी व्यक्ति के बारे में निजी जानकारी होती है और वह उसे सही होने के बारे में शपथ लेता है। यह वैधानिक घोषणा-पत्र है।

प्रश्न - 15

B  
S  
E

उत्तर → लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था एक ऐसी शासन व्यवस्था है जिसमें जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों का शासन होता है।

लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था अन्य शासन व्यवस्था से बेहतर निम्न कारणों से है:-

- (i) यह व्यक्तियों की गरिमा को बढ़ाता है और उनमें समानता की भावना विकसित करता है।
- (ii) इसमें शासन व्यवस्था में गलतियों को सुधारने की गुंजाइश होती है।
- (iii) यह लोगों के बीच में तकरार की स्थिति को कम करती है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 16

उत्तर → संगठित क्षेत्रक की दो विशेषताएँ निम्न हैं :-

(1) संगठित क्षेत्रक में रोजगार की अवधि कं नियमित होती है।

इस क्षेत्रक में अधिक काम करने पर अतिरिक्त रोजगार उपलब्ध कराया जाता है।

प्रश्न - 17

उत्तर → वैश्वीकरण को बढ़ावा देने वाले कारक निम्न हैं :-

(1) तकनीक → आज वर्तमान स्थिति में संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से वैश्वीकरण की प्रक्रिया और अधिक तीव्र हो गई है।

(2) बहुराष्ट्रीय कंपनियों का विस्तार → बहुराष्ट्रीय कंपनियों बहुत सारे देशों में उत्पादन करती हैं और उन पर नियंत्रण रखती हैं। यह भी वैश्वीकरण की प्रक्रिया को बढ़ावा देती है।

प्रश्न क्र.

- ③ उदारीकरण → उदारीकरण वैश्वीकरण को प्रोत्साहित करने वाला मुख्य कारक है। उदारीकरण की प्रक्रिया देशों को बिना प्रतिबंध के व्यापार करने की सुविधा देती है।

प्रश्न - 18 (अथवा)

**B** जैव विविधता में विभिन्न प्रकार के पशु-पक्षी, जीव-जंतु, वनस्पति  
**S** - जात तथा मनुष्यों की अनेक जातियाँ तथा उपजातियाँ पाई जाती  
**E** हैं अर्थात् वन तथा वन्य जीव-जंतु के सम्मिलित रूप को जैव-विविधता कहते हैं।

जैव विविधता मानव जीवन के लिए बहुत आवश्यक तथा महत्वपूर्ण है। जैव-विविधता से ही मनुष्यों की आवश्यकताओं की पूर्ति होती है। जैव-विविधता के कारण ही पृथ्वी पर मानव जीवन का अस्तित्व अभी तक बना हुआ है अन्यथा अब तक नष्ट हो चुका होता।



प्रश्न क्र.

प्रश्न - 19

उत्तर →

संघात्मक शासन व्यवस्था

एकात्मक शासन व्यवस्था

① संघात्मक शासन व्यवस्था में दो स्तर की सरकारें होती हैं, केंद्र तथा प्रांतीय।

① एकात्मक शासन व्यवस्था में केवल एक स्तर की सरकार होती है, केंद्र सरकार।

② इस शासन व्यवस्था में केंद्र सरकार तथा राज्य सरकार दोनों के पास अपनी-अपनी अलग-अलग शक्तियाँ होती हैं।

② एकात्मक शासन व्यवस्था में शासन की सारी शक्तियाँ केंद्र सरकार के पास होती हैं बाकी ईकाईयाँ इसके अधीन काम करती हैं।

③ संघात्मक शासन व्यवस्था में संविधान संशोधन की प्रक्रिया जटिल होती है।

③ इस शासन व्यवस्था में संविधान संशोधन की प्रक्रिया बहुत सरल होती है।

④ इस शासन व्यवस्था में विवाद की स्थिति पर सर्वोच्च न्यायालय निगरान की भूमिका निभाता है।

④ चूँकि इस शासन व्यवस्था में केवल एक सरकार होती है इसलिए विवाद होने की कम संभावना होती है।

B  
S  
E

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 20

उत्तर → बैंक कुछ कर्जदारों को कर्ज देने के लिए निम्न कारणों से तैयार नहीं होते :-

- B  
S  
E
- ① आवश्यक कागजात की कमी → कुछ लोग प्रचण की शर्तें पूरी नहीं कर पाते इस कारण बैंक उनको कर्ज देने से मना करता है।
  - ② प्रचणाधार की कमी → कुछ लोगों के पास बैंक में गिरवी रखने के लिए कुछ नहीं होता इस कारण से वे बैंक से कर्ज नहीं ले पाते।
  - ③ कर्जजाल की स्थिति → कुछ निर्धन व्यक्ति या गरीब किसान पहले से ही कर्ज में डूबे रहते हैं इसलिए बैंक को यह भय बना रहता है कि यह लोग समय पर कर्ज चुका पाएंगे या नहीं।



[Redacted]

प्रश्न क्र.

प्रश्न- 21 (अथवा)

उत्तर → भारत में रेल परिवहन के वितरण को प्रभावित करने वाले चार कारण निम्नलिखित हैं :-

**B** ① बिना टिकट यात्रा → कुछ लोग रेलों में बिना टिकट के यात्रा करते हैं जिससे रेलवे विभाग को भारी घाटा होता है रेलवे विभाग को प्रतिवर्ष 12 करोड़ का नुकसान उठाना पड़ता है।

**S** ② दुर्घटना की स्थिति → रेलवे लाइन में गड़बड़ी होने के कारण रेल को एक्सीडेंट हो जाता है और लाखों लोग मारे जाते हैं और रेलवे विभाग को करोड़ों का नुकसान हो जाता है।

**E** ③ आतंकवाद → देश में हमेशा आतंकवाद की स्थिति में रेलों को निराना बनाया जाता है जिससे भारी मात्रा नुकसान होता है - रेलवे और यात्रियों दोनों का।

④ चोरी → आजकल रेलों में चोरी-चकारी बढ़ गयी है। लोग चोरी करके चैन खींचकर भाग जाते हैं। इस सबकी भरपай भी रेलवे विभाग को करनी पड़ती है।

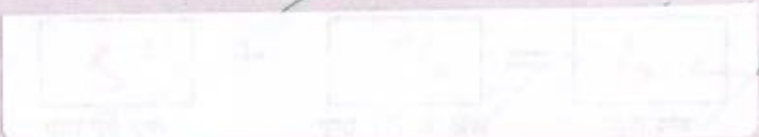
प्रश्न क्र.

प्रश्न - 22

उत्तर →

B  
S  
E

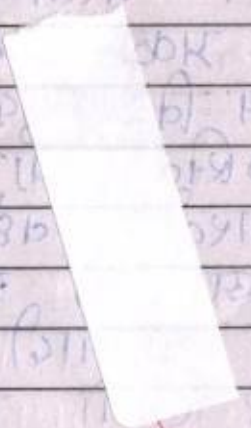
प्रथम विश्व युद्ध जो कि सन् 1914 से 1918 तक चला था। यह युद्ध दो खेमों के बीच लड़ा गया था, मित्र राष्ट्र और केंद्रीय शक्तियों के बीच। प्रथम विश्व युद्ध ने भारत के राष्ट्रीय आंदोलन के विकास में अहम भूमिका निभाई है। इस युद्ध ने भारतीयों में राष्ट्रवाद की भावना को विकसित किया है। प्रथम विश्व युद्ध में सैनिकों की पूर्ति के लिए भारत से कई सैनिकों को प्रथम विश्व युद्ध की सेना में भर्ती किया गया। भारतीय सैनिकों ने वहाँ सीखा कि किस प्रकार एकजुट होकर अपने देशों की रक्षा की जाती है। प्रथम विश्व युद्ध ने भारतीय सैनिकों में एकता की भावना को विकसित किया। जब प्रथम विश्व युद्ध समाप्त हुआ तो जो भारतीय वहाँ सेना में भर्ती हुए थे, जब वे वापस लौटकर भारत आए तो उनमें कुछ अलग ही जोश था। वे अपनी राष्ट्र की आजादी को लेकर बहुत ज्यादा जोश में थे। उन्होंने यहाँ आकर लोगों में राष्ट्रवाद की भावना को विकसित किया। जगह-जगह पर राष्ट्रीय आंदोलन होने लगे। भारतीयों ने ब्रिटिश सरकार के प्रति असंतोष की भावना जताई अपने स्वराज की मांग करने लगे। अब भारतीय लोग ब्रिटिश सरकार से स्वतंत्र राष्ट्र की मांग करने लगे और ब्रिटिश सरकार के आदेशों को अनदेखा करने लगे। प्रथम विश्व युद्ध



प्रश्न क्र.

के कारण भारत में अनेक राष्ट्रीय आंदोलन हुए जैसे कि असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन, सत्याग्रह आदि। अब भारतीय लोग स्वतंत्र शब्द की चाह में ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध असंतोष की भावना जताने लगे थे। इस प्रकार प्रथम विश्व युद्ध ने भारत के राष्ट्रीय आंदोलन के विकास में अहम योगदान दिया।

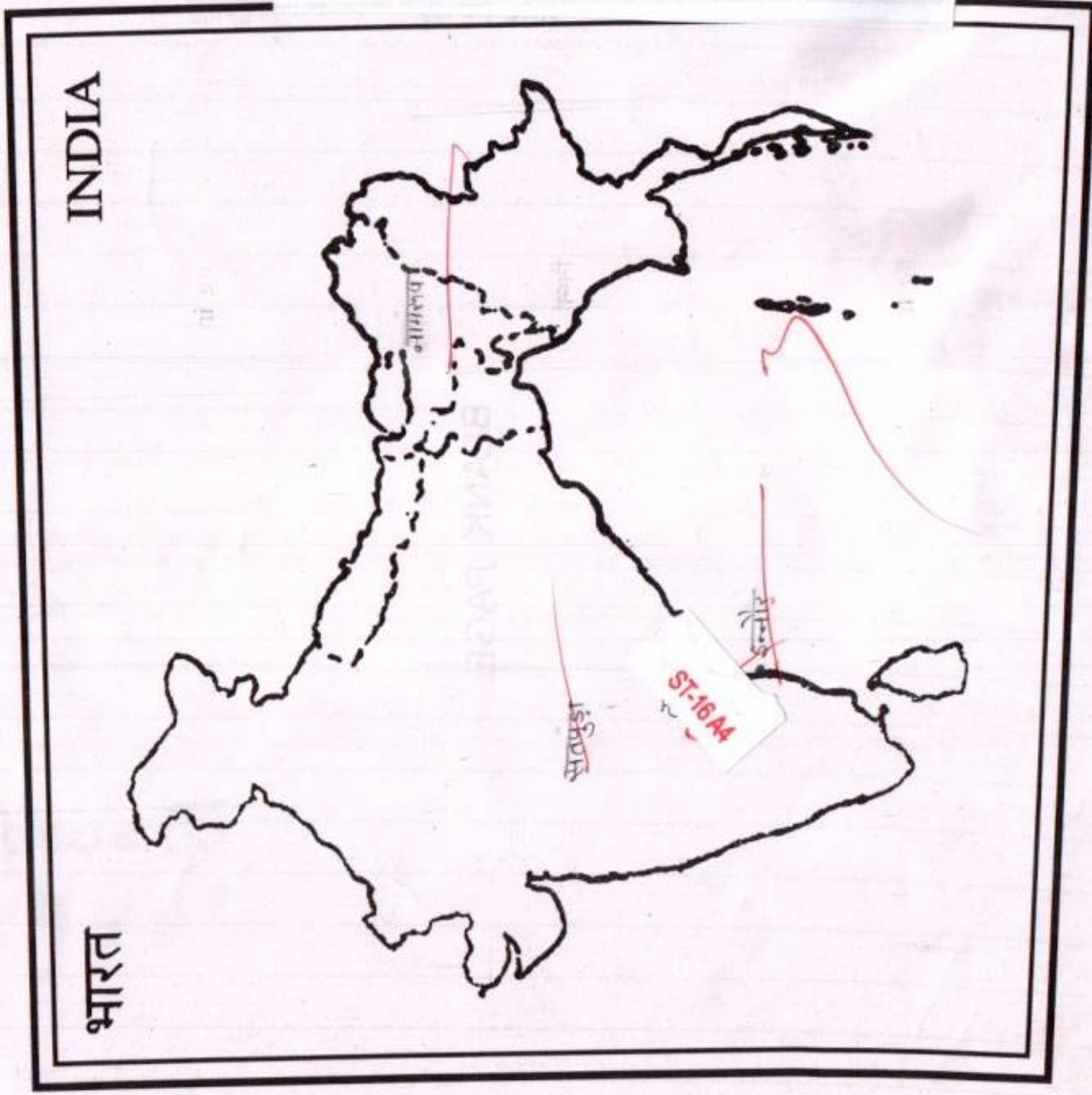
LS E





पत्र - 23

Roll No. 1472



300 / T-0661\_A

15



P.T.O.